**प्याज, आलू तथा दालों के निर्यात पर प्रतिबंध**

107. **श्री कपिल सिंब्बल** :
**श्री बरजिन्दर सिंह** :

क्या वाणिज्य मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि हाल ही में सरकार ने प्याज, आलू तथा दालों के निर्यात पर प्रतिबंध लगाया है;

(ख) यदि हां, तो यह प्रतिबंध कब लगाया गया;

(ग) क्या यह भी सच है कि उक्त प्रतिबंध से पूर्व इन मदों के निर्यात पर कोई प्रतिबंध नही था;

(घ) यदि नही, तो इन मदों का निर्यात करने के लिये किन-किन मानदण्डों का पालन किया जाना आवश्यक था; और

(ड) चालू वर्ष में देश से प्याज, आलू तथा दालों के निर्यात पर प्रतिबन्ध लगाने से पूर्व इनका कितनी-कितनी मात्रा में निर्यात किया गया था?

**वाणिज्य मंत्री (श्री रामकृष्ण हेगड़े) :** (क) से (ड) प्याज के निर्यात पर प्रतिबंध दिनांक 12.10.98 को लगाया गया था और आलू का निर्यात दिनांक 27.10.98 को प्रतिबंधित किया गया था । दालों के निर्यात से संबंधित नीति में हाल ही में कोई परिवर्तन नही किया गया है ।

दिनांक 27.10.98 से पूर्व आलू का निर्यात मुक्त रूप से अनुमत था । दिनांक 12.10.98 से पूर्व प्याज का निर्यात-नाफेड के माध्यम से किया गया था । दालों का निर्यात 5 कि0ग्रा0 के उपभोक्ता पैकों में मुक्त रूप से हो रहा है ।

आवश्यक वस्तुओं के बारे में निर्यात और आयात संबंधी नीतियां समय-समय पर इन वस्तुओं की घरेलू उपलब्धता तथा उनकी कीमतों को ध्यान में रख कर तैयार की जाती हैं ।

नवीनतम उपलब्ध आंकड़ों (अनंतिम) के अनुसार, चालू वर्ष के दौरान (जनवरी से अक्तू; 1998 तक) निर्यात की गई प्याज की मात्रा 295183 मी0 टन है । (स्त्रोतः नाफेड जनवरी और जून, 1998) के बीच कुल 13,577 मी0 टन आलू का निर्यात किया गया है । अप्रैल और अगस्त, 1998 के बीच देश से कुल 52,471 मी0 टन दालों का निर्यात किया गया है । (स्त्रोतः डी जी सी आई एंड एस)

**इस्पात संयंत्रों का नवीकरण**

*108. **श्री जनार्दन यादव** : क्या **इस्पात और खान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) बोकारों, दुर्गापुर और भिलाई इस्पात संयंत्रों के नवीकरण पर अब तक कितनी धनराशि खर्च की गयी है;

(ख) क्या नवीकरण के पश्चात इस्पात उत्पादन में वृद्धि हुई है;

(ग) क्या यह सच हैं कि सभी इस्पात संयंत्र घाटे में चल रहे है; और

(घ) यदि हां, तो सरकार घाटों को पूरा करने के लिए कौन-कौन से कदम उठाने जा रही है?

**इस्पात और खान मंत्रालय में राज्य मंत्री (श्री रमेश बैस) :** (क) दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरण और प्रोद्योगिकीय उन्नयन की योजना पूरी हो गई है । बोकारो इस्पात संयंत्र में यह योजना कार्यान्वयनाधीन है । दुर्गापुर इस्पात संयंत्र और बोकारो इस्पात संयंत्र में आधुनिकीकरणा और प्रोद्योगिकीय उन्नयन की योजनाओं पर अक्तूबर, 98 तक क्रमशः 4637.14* करोड़ रुपए और 1932* करोड़ रुपए खर्च हो चुके है ।

भिलाई इस्पात संयंत्र के लिए इस प्रकार की कोई आधुनिकीकरण योजना शुरू नहीं की गई है ।

(ख) आधुनिकीकरण के बाद दुर्गापुर इस्पात संयंत्र में उत्पादन में वृद्धि हुई है । बोकारो इस्पात संयंत्र का आधुनिकीकरण 1998-99 में पूरा किए जाने की अनुसूची है तथा उत्पादन पर इसके पूरे प्रभाव का पता उसके बाद चल पाएगा ।

(ग) सेल के सभी इस्पात संयंत्रों को हानि नही हो रही है ।

(घ) अपने संयंत्रों के निष्पादन में सुधार करने के लिए सेल ने कई कदम उठाए हैं । इन कदमों में अन्य बातों के साथ-साथ तकनीकी आर्थिक प्राचलों में सुधार करके लागत में कमी करना, उद्यमशील और ग्राहकोन्मुखी विपणन के जरिए बिक्री बढ़ाना आदि शामिल है ।